Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 161 , 17 नवम्बर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

गणेश हॉस्पिटल में लगी आग, दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किए मरीज

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के गणेश हॉस्पिटल में बनी मेडिकल शॉप में आग लग गई है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि किसी के मरने या घायल होने की सूचना नहीं है। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग को बुझाया गया। बताया जा रहा है कि अस्पताल में करीब चालीस मरीज एडमिट थे। आग लगने की सूचना मिलते ही सभी मरीजों को हॉस्पिटल के दूसरे दरवाजे से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस द्वारा दूसरे हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया।

गुजरात चुनाव : भाजपा ने प्रत्याशियों का चयन किया

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। लेकिन पार्टी कांग्रेस की सूची आने के बाद अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। अलबत्ता पार्टी ने उन उम्मीदवारों को नामांकन करने को कह दिया है जिन पर कोई विवाद नहीं है। भाजपा कांग्रेस की सूची में हार्दिक पटेल के लोगों का नाम देखना चाहती है। पार्टी उसी हिसाब से अपने उम्मीदवारों में भी बदलाव करेगी। भाजपा मुख्यालय में कल रात भी बैठकें चलती रहीं और रात को ही प्रधानमंत्री के स्वदेश लौटने के बाद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने मोदी से मुलाकात कर चर्चा की और भाजपा मुख्यालय में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई जिसमें प्रधानमंत्री भी शामिल हुए। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रत्याशियों के नाम फायनल कर दिए गए हैं लेकिन अभी पार्टी कुछ इंतजार करेगी। गुजरात को लेकर भाजपा परेशान है। जिस तरह से वहां जातीय मोर्चा बन रहा है उससे पार्टी को लगता है कि उसका जनाधार थोड़ा कम हो सकता है।

उप्र के मंत्री का वीडियो वायरल

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने वायरल हुए अपने उस वीडियो पर आज विपक्ष को आड़े हाथ लिया जिसमें एक कार्यकर्ता को कथित तौर पर उनका पांव दबाते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो कल देर रात वायरल हुआ। मंत्री ने बताया कि नगर निगम चुनाव में मेयर पद के लिए किस्मत आजमा रहीं अपनी पत्नी के लिए चुनाव प्रचार के दौरान मोच आने पर किसी कार्यकर्ता ने उसे ठीक करने का प्रयास किया और विरोधी धड़े के किसी शख्स ने यह वीडियो बना लिया। उन्होंने '' पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, नामांकन के दिन से मैं चुनाव प्रचार के लिए प्रति दिन 10-12 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहा हूं। कल पैदल चलते समय मेरे पांव में मोच आ गई और मैं एक रिश्तेदार के घर सो गया।

खुलासा: किस तरह के लड़के पसंद करती हैं मॉडर्न लड़कियां, ये रहा जवाब...

लंदन। अक्सर लड़कियों और लड़कों से ये सवाल किए जाते हैं कि उन्हें अपने पार्टनर में किस तरह की खूबियां पसंद हैं। 21वीं सदी में अब ऐसा माना जाता है कि पुरुषों को लेकर महिलाओं की पसंद सिर्फ फिजिकल स्ट्रेंथ और अमीरी तक सीमित नहीं रही है। लेकिन एक रिसर्च में सामने आया है कि लड़कियां अब भी लड़कों में यही दो चीजें सबसे पहले देखती हैं।

ÓFeminist Media StudiesÓ नाम की पत्रिका में छपी इस रिसर्च में कहा गया है कि मॉडर्न दुनिया में भी लड़कियों को मस्कुलर बॉडी वाले और पैसों से समृद्ध लड़के ही पसंद आते हैं। इस लेख में कहा गया है कि रिसर्च के अनुसार आज की दौर में भी महिलाओं की पुरुषों को लेकर पसंद उन्हीं पुराने मानकों पर टिकी है। रिसर्च से जुड़ी एक शोधकर्ता ने कहा, 'महिलाओं के लिए अभी भी मिडिल क्लास, अमीर और मस्कुलर बॉडी वाले लड़के पहली पसंद है। जब्कि ऐसा माना जात है कि फेमिनिस्ट महिलाएं आम तौर पर राजनीतिक विचारधारा वाले पुरुष पसंद करती हैं, लेकिन ऐसा है नहीं।' उन्होंने कहा इसमें अच्छी मसल्स वाले, पावरफुल बॉडी वाले या फिर महंगे सूट पहनने वाले और महंगी घड़ी या मोबाइल फोन रखने वाले हुए पुरुषों की फोटो शामिल थीं।

पद्मावती : राजपूत करणी सेना ने खोला मोर्चा

जयपुर : रिलीज से पहले विवादों में आई फिल्म पद्मावती को लेकर बुधवार को जयपुर में मीडिया से रूबरू राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह कालवी।

जौहर की ज्वाला में बहुत कुछ जलेगा रोक सको तो रोक लो : करणी सेना कहा, किसी भी हालत में फिल्म को रिलीज नहीं होने देंगेरिलीज से पहले फिल्म को पांच लोगों की कमेटी को दिखाए जाने की मांगएक दिसज़बर को भारत बंद का आह्वान

जयपुर। राजपूत करणी सेना ने डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावती की रिलीज के विरोध में भारत बंद का एलान किया है। फिल्म एक दिसम्बर को रिलीज हो रही है। बुधवार को करणी सेना के चीफलोकेंद्र सिंह कालवी ने कहा कि ये जौहर की ज्वाला है, आगे बहुत कुछ जलेगा। रोक सको तो रोक लो। भरोसा दिलाता हूं कि फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे। गुरुग्राम, लखनऊ और अहमदाबाद समेत देशभर में विरोध करेंगे। कालवी ने आगे कहा कि फिल्म पद्मावती की जांच के लिए पांच लोगों की टीम बनाई जाए। जो फिल्म के ऐतिहासिक तयों की जांच करें। ये जौहर की ज्वाला है, बहुत कुछ जलेगा। हमने सिर कटा कर इतिहास रचा था लेकिन अब सिर गिना कर होगा। फिल्म के विरोध के लिए सभी जाति, धर्म के लोगों को साथ आने की अपील करते हैं। हम एक दिसम्बर को देशभर में बंद का आह्वान करते हैं। राजस्थान में करणी सेना, भाजपा नेता और हिंदूवादी संगठनों ने इतिहास से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इस फिल्म में रानी पद्मिनी और खिलजी के बीच अंतरंग दृश्य फिल्माए जाने से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है। लिहाजा, फिल्म को रिलीज से पहले पार्टी के राजपूत प्रतिनिधियों को दिखाया जाना चाहिए। ऐसा करने से रिलीज के वक्त फिल्म के लिए सहूलियत रहेगी और तनाव के हालात से बचा जा सकेगा। फिल्म के विरोध में अब राजस्थान के राजघराने भी विरोध में उतर आए हैं। जयपुर राजघराने की राजकुमारी दीया कुमारी ने पिछले दिनों इस फिल्म के खिलाफ सिग्नेचर कैम्पेन शुरू किया। इस दौरान दीया ने कहा कि इस कैम्पेन में ज्यादा से ज्यादा लोगों और संगठनों को जोड़ने के लिए इसे डिविजन लेवल पर भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संजय लीला भंसाली से कहा कि वे रिलीज करने से पहले इतिहासकारों के फोरम के सामने इसकी स्क्रिनिंग कराएं। इसके अलावा राजपूत समाज ने फिल्म के एक गाने में घूमर नृत्य के दौरान दीपिका के पहनावे पर सवाल उठाए हैं। राजस्थान में फिल्म शूटिंग के दौरान विरोध की शुरुआत हुई थी। शूटिंग के वक्त राजपूत करणी सेना ने कई जगह प्रदर्शन किया था और पुतले फूंके थे। जयपुर में शूटिंग के दौरान कुछ लोगों ने भंसाली से बदसलूकी की गई थी, जिसके बाद कोल्हापुर में फिल्म का सेट लगाया तो यहां भी इसे जला दिया गया। विरोध पर भंसाली ने कहा था। इस फिल्म में ऐसा कुछ नहीं है,।

आधा दर्जन लोगों का चल रहा इलाज

वैशाली में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत,

हाजीपुर। वैशाली के बराटी ओपी थाना क्षेत्र के बसौली ग्राम में जहरीली देसी शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई। आधा दर्जन लोगों का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। घटना के संबंध में ग्रामीण और मृतक के परिजन खुलकर शराब पीने से मौत की बात बता रहे हैं, वहीं इलाज करा रहे लोग और पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से कतराती रही। मृतकों में बसौली ग्राम निवासी चंद्रदीप पटेल का 45 वर्षीय पुत्र अरुण पटेल, नंदलाल पासवान का 50 वर्षीय पुत्र देवेंद्र पासवान और स्व. हरिहर पासवान का पुत्र लालबाबू पासवान शामिल हैं।

लालबाबू पासवान की मौत बीते बुधवार को हो गई। जिसका परिजनों ने बुधवार को ही दाह संस्कार बिना पोस्टमार्टम कराए ही कर दिया। उनका भी परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही अंतिम संस्कार हाजीपुर के कौनहारा घाट पर कर दिया। अरुण पटेल को पेट में दर्ज और उल्टी की शिकायत हुई तो परिजनों ने पहले गांव के ही डॉक्टर से इलाज कराया, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया। पटना में इलाज के दौरान अरुण पटेल की मौत हो गई, लेकिन मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने पटना से घर आने के दौरान जबरिया उन्हें कुआरी चौक के पास रोक लिया और थाने लेकर गए। वहां पर कई कागजातों पर अंगूठे का निशान ले लिया गया। अंगूठा लगवाने के बाद सदर अस्पताल हाजीपुर में शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके साथ कंसारा गांव के रामप्रवेश पंडित पिता महताब पंडित, बसौली गांव के गोपू उर्फ शिवकांत सिंह पिता हरेन्द्र सिंह और तितरा स्कूल के मुकेश पंडित पिता सुरेश पंडित का इलाज पीएमसीएच में चल रहा है।

पांच व्यक्ति रंजीत पासवान, मसुदन पासवान, हरिशंकर पासवान, पंचन पासवान, महेश पासवान, शिवदयाल पंडित, श्रीकांत सिंह, विश्वनाथ सिंह, मुकेश पंडित सहित अन्य लोग हाजीपुर निजी नर्सिंग होम व स्थानीय ग्रामीण चिकित्सक के यहां इलाज करवा रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बीते सोमवार की रात को ही सभी लोगों ने बसौली ग्राम निवासी बराटी ओपी थाना के चौकीदार के भाई अदालत पासवान के यहां शराब पी थी। वह ताड़ी बेचने की आड़ में देसी शराब भी बेचता था।

बयान

इस मामले की जानकारी हुई है। मौत शराब से हुई या नहीं इसकी जांच चल रही है। ग्रामीणों द्वारा लगाए जा रहे आरोप में यदि सत्यता पाई गई, तो कार्रवाई होगी। - रचना पाटिल, जिलाधिकारी, वैशाली

मरीज ने डॉक्टर को मारा थप्पड़

चिकित्सकों ने की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली। यमुनापार में दिल्ली सरकार के सबसे अधिक बिस्तरों वाले दिलशाद गार्डन स्थित गुरु तेग बहादुर अस्पताल में बुधवार को एक तीमरदार ने शशी नामक जूनियर रेजिडेंट्स को थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ मारने वाले मरीज के तीमारदार को अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस के हवाले कर दिया।

डॉक्टरों में आक्रोश कम करने के लिए अस्पताल के बड़े डॉक्टरों को कड़ी मश्क्कत करनी पड़ी। चिकित्सक से मारपीट के बाद रेजिडेंट्स डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर जाने पर आमादा थे। समय रहते स्थिति सामान्य कर दी गई। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक दोपहर लगभग 12 बजे हड्डी रोग के ओपीडी नम्बर 14 में मरीजों की भीड़ थी। भीड़ व अव्यवस्था के चलते जूनियर रेजिडेंट डॉ. शशी ने मरीजों को लाइन से आने को कहा। इसके बाद आरोपी ने पहले तो लाइन में आ कर चिकित्सकीय सलाह ली और कुछ देर बाद जब डॉ. शशी एक अन्य मरीज की चिकित्सा के लिए बड़े डॉक्टर से परामर्श लेने कमरे से बाहर निकले तो आरोपी ने उन्हे पिछे से थप्पड़ जड़ दिया।

थप्पड़ मारते ही डॉ. शशी समेत वहां मौजूद अन्य अस्पताल कर्मियों ने आरोपी को पकड़ लिया। डॉक्टर से मारपीट की खबर अस्पताल में आग की तरह फैली। रेजिडेंट डॉक्टरों ने ओपीडी और इमरजेंसी बंद करने की तैयारी शुरू कर दी। रेजिडेंट डॉक्टरों का रुख देख अस्पताल और विभाग के वरिष्ठ डॉक्टरों ने अस्पताल प्रबंधन की तरफ से पुलिस को शिकायत दे दी। इससे डॉक्टरों का गुस्सा कुछ कम हो गया।

बाउंसर बुलाने की मांग : अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के संयोजक डॉ. शाकिब के मुताबिक पिछले दिनों अस्पताल में बाउंसरों की उपस्थिति के कारण इस प्रकार की घटनाओं पर लगाम लगी थी, लेकिन उनके जाते ही डॉक्टरों से मारपीट फिर शुरू हो गई है। आरडीए प्रबंधन से एक बार फिर से अस्पताल परिसर में बाउंसर बुलवाने की मांग करता है।

पुलिस सुधार लागू न करने पर अवमानना याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस सुधारों पर वर्ष 2006 में दिए गए अपने आदेशों को लागू नहीं करने के मामले में दायर की गई अवमानना याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की। याचिका में दावा किया गया है कि वर्ष 2006 में पुलिस सुधारों पर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक आदेश को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक लागू नहीं किया है। अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई की कोई तारीख तय नहीं की है।

चुनाव लड़ने को एनआरआई से चंदा मांग कर रही आप

फंड रेजिंग के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जुट रहे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की ओवरसीज विंग ने प्रवासी भारतीयों से चुनाव लड़ने के लिए चंदे की मांग की है। साथ ही विदेश से कॉल कंपैनिंग व सोशल मीडिया के सहारे गुजरात विधानसभा चुनाव और यूपी निकाय चुनाव के लिए प्रचार अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। दिलचस्प यह कि दिल्ली के विधायक व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी फंड रेजिंग के लिये आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जुट रहे हैं।इसी कड़ी में आप की यूके टीम ने यूरोपियन कन्वेंशन का आयोजन करने के साथ फ्लेम ऑफ होप कैंपेन भी लांच किया। इस दौरान यूरोप के करीब 15 देशों के एनआरआई एक छत के नीचे जुटे। इस दौरान गुजरात विधान सभा चुनावों पर चर्चा हुई। वहीं, उत्तर प्रदेश नगर निगम चुनाव पर भी एनआरआई सदस्यों ने अपनी राय रखी। आप यूके के मीडिया संयोजक संदीप बिष्ट ने बताया कि फ्लेम ऑफ होप कैंपेन को लांच करने के लिए दिल्ली के विधायक जरनैल सिंह 12 नवम्बर को यूके पहुंचे। एक वैन के जरिये फ्लेम ऑफ होप यूरोप के अलग-अलग शहरों का चक्कर लगाएगी। इस दौरान आप के नीतियों का प्रचार करने के साथ चुनाव के मसलों पर विदेश में बसे भारतीयों से चंचा होगी। साथ ही उनसे आप के लिए चुनावों में सहयोग देने की अपील की जाएगी।उधर विदेशों में रहने वाले भारतीय गुजरात व उत्तर प्रदेश के अपने रिश्तेदारों, परिचितों व दूसरे लोगों को फोन पर आप का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं। इस दौरान लोगों से दिल्ली सरकार के कामों पर चर्चा होती है। वहीं, बताया जाता है कि दोनों प्रदेशों में आप की मजबूती बुनियादी बदलाव लाएगी। वहीं, सोशल मीडिया पर भी अलग-अलग तरह के पोस्ट से लोगों को आप के पक्ष के लामबंद किया जा रहा है।

कलक्टर की मंजूरी बिना धर्म परिवर्तन नहीं !

सिरसा। शहर थाना पुलिस ने गत 25 अगस्त को सीबीआई अदालत द्वारा साध्वी यौन शोषण मामले में डेरा प्रमुख राम रहीम को दोषी करार दिए जाने के बाद जिला में डेरा समर्थकों द्वारा मचाए गए उत्पात के आरोप में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर थाना पुलिस गुरवेश उर्फ गुल्लु पुत्र प्रवीण कुमार निवासी सुखसागर कॉलोनी, लक्की रुपेंद्र पुत्र बलवीर सिंह निवासी सुखसागर कॉलोनी, अमनदीप पुत्र सुभाष निवासी कल्याण नगर व नीरज पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी ब्वायज स्कूल के समीप बेगू रोड सिरसा को आगजनी के आरोप में गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 25 अगस्त को पंचकूला की सीबीआई अदालत द्वारा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को साध्वी यौन शोषण मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद डेरा समर्थकों ने गांव शाहपुर बेगू स्थित बिजलीघर, वीटा मिल्क प्लांट में आगजनी की। वहीं पेपर मिल के समीप सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर लगाए नाके पर हिंसात्मक कार्रवाई को अंजाम दिया था। पुलिस इस मामले से जुड़े आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए है।

जबरन धर्म बदलने पर हो सकती है पांच साल की सजा

राजस्थान धर्म स्वातंर्त्य विधेयक-2008 को मिल सकती है राष्ट्रपति की मंजूरी

प्रदेश में धर्म परिवर्तन कराने के लिए कलक्टर की मंजूरी जरूरी हो सकती है। जबरन धर्म बदलवाने पर पांच साल तक की सजा हो सकती है। दरअसल, राज्य में एक और विवादित बिल कानून बनने जा रहा है। 11 साल तक कांग्रेस के विरोध की वजह से अटके राजस्थान धर्म स्वातंर्त्य विधेयक-2008 को राष्ट्रपति से मंजूरी मिल सकती है। उम्मीद की बड़ी वजह यह भी बताई जा रही है कि भाजपा के ही पूर्व नेता रामनाथ कोविंद अब राष्ट्रपति हैं।गौरतलब है कि हाल ही में जोधपुर में 22 साल की लड़की के धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम युवक से निकाह का मामला सामने आया था। राज्य सरकार इसके बाद हरकत में आई है। उसने इस बिल को पास कराने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भी पूछा था कि क्या धर्म परिवर्तन का कोई नियम है? या ऐसी कोई गाइडलाइन जो नियम तय करती हो? अगर नियम नहीं है तो ऐसे में किसी भी शख्स का धर्म सुबह, शाम और रात को बदल जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले दिनों राज्य सरकार के अफसरों को केंद्र सरकार के पास अटके राज्य के बिलों के रिव्यू के लिए बुलाया था।

कैश लूटने को सुरक्षा गार्ड को मारी गोली

नई दिल्ली। कोतवाली थाना क्षेत्र में गौरीशंकर मंदिर के सामने 13 नवम्बर को स्कूटी से 12 लाख रपए चोरी हो गए। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस पीड़ित शिवराम सोलंकी (27) की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस मुताबिक शिवराम चांदनी चौक स्थित एक कंपनी में कलेक्शन एजेंट हैं। सोमवार को वह मार्केट से 12 लाख रपए एकत्र कर कंपनी मालिक शेखर सिंह के पास जा रहे थे। रपए उसने स्कूटी की डिग्गी में रखे थे। रात आठ बजे मंदिर के पास उसने स्कूटी खड़ी कर दी। वापस आया तो डिग्गी का ताला खुला था और उसमें रखे रपए गायब थे। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल सुरक्षागार्ड से जबर्दस्त भिड़ंत के बाद बिना कैश बंदूक लूटकर भागे बदमाश

कंझावला के माजरा डबास में बुधवार दोपहर बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने एटीएम में कैश डालने पहुंची वैन के सुरक्षा गार्ड को घायल कर पैसा लूटने की कोशिश की। वारदात में घायल सुरक्षा गार्ड को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बदमाशों ने एटीएम के बाहर खड़े गार्ड को गोली मार दी। हालांकि घायल गार्ड ने बदमाश से काफी देर तक लोहा लिया और कैश न लूट पाने पर बदमाश गार्ड की बंदूक छीनकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक पूरी वारदात घटना घटनास्थल पर लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बुधवार दोपहर कैश वैन से आए कर्मचारी माजरा डबास गांव के एसबीआई एटीएम में कैश डाल रहे थे। इस दौरान एटीएम का शटर आधा गिरा हुआ था और गार्ड दोनाली बंदूक लेकर बाहर खड़ा था। इस बीच हेलमेट पहनकर आए बाइक सवार दो हथियार बंद बदमाशों ने पिस्टल के बाल पर गार्ड को काबू करने की कोशिश की, लेकिन गार्ड उनसे भिड़ गया।

कहासुनी में एक युवक ने गार्ड पर अचानक गोली चला दी और दूसरे बदमाश ने एटीएम के अंदर मौजूद कर्मचारियों को बाहर बुलाया, लेकिन कर्मचारी बाहर नहीं निकला। इसके बाद बाद बदमाश ने शटर उठा दिया। इस दौरान एटीएम कक्ष में मौजूद दो कर्मचारी वहां से भाग निकले। बताया जाता है कि लगभग डेढ़ मिनट में हुए इस घटनाक्रम के बाद दोनों बदमाश बाइक पर फरार हो गए। पुलिस ने दावा किया कि जब दोनों बदमाश एटीएम पहुंचे तो कैश वैन के एक अन्य कर्मचारी के हाथ में एक बैग था। बैग में लगभग 15 लाख रपए थे। लुटेरों ने बैग को लूटने की कोशिश की तो कर्मचारी ने उन्हें बताया कि इसमें औजार रखे हैं। इसके बाद दोनो बदमाश बिना लूटपाट किए वहां से चलते बने। छानबीन के दौरान पुलिस को एटीएम के ठीक सामने वाले मकान में लगए एक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मिली है। फुटेज में बदमाशों की करतूत रिकार्ड हो गई। इस फुटेज में दिख रहे दोनों बदमाशों द्वारा हेलमेट पहनने के कारण अभी उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

प्रतिध्वनि से किसी मौलिकता की आशा मत करो -अज्ञात

नेताओं की बैठक

राजधानी मनीला में आसियान भारत शिखर सम्मेलन, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका के नेताओं की बैठक तथा अन्य नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ताओं का कोई एक निष्कर्ष निकालना कठिन होगा। किंतु चार बातों पर लगभग एक राय होना विश्व के भविष्य के प्रति आास्त करता है। एक, आतंकवाद पर सभी देशों ने यह स्वीकार किया कि इससे मिलकर संघर्ष करना जरूरी है। दूसरे, नियम आधारित सुरक्षा व्यवस्था ढांचे पर भी सबकी सहमति थी। तीन, जलवायु बचाने के लिए हुए समझौते का पालन हो और चौथा, मुक्त व्यापार को आगे बढ़ाया जाए। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य सम्मेलनों की भांति आतंकवाद को पुरजोर ढंग से उठाया। फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने उदाहरण देते हुए यह समझाया कि आतंकवाद का खतरा क्षेत्र में मंडरा रहा है। नियम आधारित सुरक्षा व्यवस्था ढांचे की बात भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही की। कहने की आवश्यकता नहीं कि उनका इशारा चीन की ओर था। हालांकि उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन चीन जिस तरह दक्षिण चीन सागर में जबरदस्ती कर सुरक्षा ढांचे को एकपक्षीय तरीके से खड़ा करने की ओर बढ़ रहा है, उसके आलोक में ही ये बातें कही गई थीं। वैसे चीन ने थोड़ी बुद्धिमता दिखाते हुए, आसियान सम्मेलन से पूर्व उन देशों के साथ क्षेत्रीय आचार संहिता बनाने के लिए बातचीत पर सहमति बना लिया। बावजूद इसके अभी किसी को उम्मीद नहीं है कि चीन वहां से अपना दावा छोड़ेगा एवं जो सैन्य ढांचा उसने खड़ा कर लिया है, उसमें कोई कमी करेगा। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी की बात को पूरा समर्थन मिला। अब इसका क्रियान्वयन किस तरह से होता है यह देखना होगा। जिस तरह से दुनिया भर में संरक्षणवाद का दौर चला है, उसमें सभी देश यदि मुक्त व्यापार पर जोड़ देते हैं तो इसका अर्थ यही लगाया जाएगा कि इन सबने संरक्षणवाद के खतरों को समझा है। इस प्रकार आसियान सम्मेलन विश्व के लिए और क्षेत्र के लिए अच्छा संदेश लेकर समाप्त हुआ है। भारतीय कूटनीति वहां जिस तेजी से सक्रिय रही उससे ऐसा लगा कि पहले से इसकी काफी तैयारी की गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति, जापान के प्रधानमंत्री, चीन के प्रधानमंत्री, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, ब्रुनेई के सुल्तान आदि से हमारे प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय मुलाकात काफी सार्थक रही और व्यापारिक, रक्षा तथा सांस्कृतिक संबंधों के विकसित होने का रास्ता फिर से प्रशस्त हुआ।

सहेतुक की दुनिया

लोग अपने समय से पहले पैदा हो जाते हैं और समय से पहले पैदा हो जाते हैं, इसलिए समय उनका मूल्यांकन बहुत देर से करता है। उन्हें अपनी बारी का इंतजार करते बरसों-बरस बीत जाते हैं। हिन्दी कवि कुंवर नारायण भी उन्हीं चुनिंदा कवियों में हैं जिनके लिखे-पढ़े की ओर आलोचना कर्म से जुड़े कलकत्ता, दिल्ली और भोपाल घरानों का ध्यान बहुत बाद में गया। तब तक उनके बहुतेरे समकालीनों का डंका बजने लगा था। जरा सोचिए कि 1956 में जिस शख्स की पहली कविता छपी हो और तबसे वह सहेतुक की दुनिया में लगातार सक्रिय रहा हो, जिसने अयोध्या-1992, अजीब वक्त है और वह चित्र भी झूठा नहीं जैसी समय पार की कविताएं हिंदी को दीं, उसे 41वां ज्ञानपीठ पुरस्कार मिले-क्या यह हैरत पैदा करने वाली बात नहीं है? अवध ने इस देश के अदब और यहां की गंगा-जमुनी तहजीब को एक से एक चेहरे, एक से एक नायाब हस्तियां दी हैं। कुंवर नारायण भी उन्हीं में हैं। बेगम अख्तर के शहर फैजाबाद के रहने वाले। वहीं उन्होंने बीसवीं सदी के तीसरे दशक में जन्म लिया। यह अकारण नहीं है कि कुंवर नारायण को पढ़ते और सुनते हुए हम लगभग उसी किस्म की बेचैनी, उसी ताप, उसी अंदाजेबयां के आसपास खड़े होते हैं, जिसकी नुमाइंदगी गजल और ठुमरी गायन की दुनिया में बेगम अख्तर करती हैं। अब वह धारदार आवाज खामोश हो गई। चले गये कुंवर नारायण। उनके पास अपनी विराट दुनिया थी, विराट कविता संसार था, चीजों को आरपार देखने और खतरे को समय से बरसों पहले सूंघ लेने की अद्भुत तमीज थी उनमें लेकिन कविता में नारेबाजी से वह उम्र भर बचते रहे। कविता में बाजीगरी पैदा करने से वह हमेशा परहेज करते रहे। उनकी लगभग हर कविता में यह मिजाज दिख जाएगा। बहुत विनम्र (भाषा के स्तर पर) लेकिन मौका पड़े तो घन गिरा देने का मिजाज। बहुत कम लोगों को पता होगा कि कुंवर नारायण आचार्य नरेंद्र देव जैसे समाजवादियों के बेहद करीब रहे। उनकी कविता में आपको एक अलग तरह का समाजवाद दिखेगा, आम समाजवाद की दुनिया से अलग किस्म की एक दुनिया। वहां लोहिया का समाजवाद नहीं है। नेहरू का समाजवाद नहीं है। उनके यहां बिल्कुल घर-आंगन का समाजवाद है। किताबों की दुनिया से दूर और जिंदगी के सबसे करीब।

सत्संग

प्रकृति पर अनुशासन

मानवीय विकास का वास्तविक स्वरूप निर्धारित करना हो तो यह मानकर नहीं चला जा सकता कि मनुष्य शरीर पाने तक ही उसकी अंतिम परिधि है। उसे विकासोन्मुख होने के लिए शरीरगत जीवनयापन को भी सब कुछ न मानकर अपनी सत्ता चेतना के साथ जोड़नी पड़ेगी, जो इस ब्रह्मण्ड पर अनुशासन करती और अंतराल को सुविकसित, स्वच्छ बना लेने वालों पर अपनी उच्च स्तरीय अनुकंपा बरसाती है। साथ ही, मनुष्य को इस प्रकार का चिंतन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करती है कि उसके अंतराल में अति महत्त्वपूर्ण क्षमताओं का भी भंडार भरा पड़ा है, जिन्हें थोड़ा विकसित कर लेने पर वह काया की दृष्टि से यथावत रहते हुए भी व्यक्तित्व की दृष्टि से महानतम बन सकता है। इस अध्यात्म विकास के तत्वज्ञान के अनुरूप चेतना को विकसित, परिष्कृत, समर्थ, विलक्षण बनाने का द्वार मनुष्य शरीर मिलने के उपरांत खुलता है। इससे पूर्व तो वह मात्र जीवधारी ही बनकर रहता है। साथ ही, प्रकृति का अनुशासन मानने के लिए बाधित रहता है। उसे प्रकृति पर अनुशासन करने, उसे अपने अनुकूल बनाने की विद्या का ज्ञान तक नहीं होता। प्रकृति पर परमात्मा का स्वामित्व है। दूसरा हस्तांतरण उसके युवराज मनुष्य को उसकी परिपक्वता विकसित होते ही उपलब्ध होने लगता है। यह दूसरी बात है कि वह उस अनुदान का कितनी बुद्धिमत्ता के साथ किन प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त करता है। विकास की मानवीय परत में उभरते ही उसे आत्मबोध की एक नई उपलब्धि हस्तगत होती है वह अनुभव करता है कि काय-कलेवर उसका समग्र स्वरूप नहीं वरन एक वाहन उपकरण आच्छादन मात्र है। उसके भीतर रहने वाली चेतना ही मनुष्य को ऊंचा उठाती, नीचे गिराती है। मन:स्थिति ही परिस्थितियों की जन्मदाता है। मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता आप है। वह प्रकृति की कठपुतली मात्र नहीं। अन्य प्राणियों की तरह मात्र निर्वाह ही उसकी एकमात्र आवश्यकता नहीं है वरन व्यक्तित्व का स्तर उठाकर जीवन सज्जा को अनेक उपलब्धियों-विभूतियों से अलंकृत करना भी एक विशिष्ट उद्देश्य है। जब तक यह विचारणा नहीं उठती, तब तक वस्तुत: मनुष्य नर-पशु ही रहता है, इन्द्रिय लिप्साओं व मानसिक तृष्णाओं तक ही उसकी गतिविधियां सीमित रहती हैं, न वह जीवन का महत्त्व समझ पाता है, और न उसे चेतना की पृथकता, विशिष्टता संबंधी कुछ ज्ञान होता है।

असाधारण राजनयिक सक्रियता

दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक विस्तारवाद की उपेक्षा हमारे लिए घातक साबित हो सकती है। जापान, फिलीपींस, वियतनाम और भारत के हितों में चीन के प्रतिरोध के संदर्भ निश्चय ही बहुत साम्य है। इसीलिए जापानी, वियतनामी प्रधानमंत्रियों तथा फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ मोदी की मुलाकातें महत्त्वपूर्ण समझी जानी चाहिए। पर यही बात ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के नेताओं के बारे में नहीं कही जा सकती। ये मूलत: गोरे देश हैं, जो पहले ब्रिटेन और अब अमेरिका की छतछाया में रहने के आदी हैं। इनसे आशा करना कि आर्थिक हितों के संयोग के कारण ये भारत को चीन पर तरजीह देंगे।

सतीश पेडणोकर

देशों के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी असाधारण राजनयिक सक्रियता का प्रदर्शन किया। उनके प्रशंसकों के अनुसार दो दिन में लगभग आधा दर्जन राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों से उभयपक्षीय वार्ता कर उन्होंने भारत के सामरिक तथा आर्थिक राष्ट्रीय हितों का दूरदर्शी अभूतपूर्व संरक्षण करने का प्रयास किया है। दूसरी तरफउनके आलोचकों का मानना है कि यह महज लफ्फाजी है, जिसका मकसद आंतरिक मोर्चे पर आर्थिक संकट के निवारण में नाकामी से नागरिकों का ध्यान बंटाना-हटाना है। यह तर्क बिल्कुल निराधार भी नहीं-नोटबंदी के दर्दनाक नतीजे अब सामने आ रहे हैं, और वित्त मंत्री अरुण जेटली की विश्वसनीयता जीएसटी को उतावली के साथ लागू करने के कारण निश्चय ही नष्ट हुई है। पर गुजरात में चुनाव हो या देश में असहिष्णुता का बढ़ता माहौल आज भी मोदी का व्यक्तिगत करिश्मा काफी हद तक बरकरार है। दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक विस्तारवाद की उपेक्षा हमारे लिए घातक साबित हो सकती है। जापान, फिलीपींस, वियतनाम और भारत के हितों में चीन के प्रतिरोध के संदर्भ निश्चय ही बहुत साम्य है। इसीलिए जापानी, वियतनामी प्रधानमंत्रियों तथा फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ मोदी की मुलाकातें महत्त्वपूर्ण समझी जानी चाहिए। पर यही बात ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के नेताओं के बारे में नहीं कही जा सकती। ये मूलत: गोरे देश हैं, जो पहले ब्रिटेन और अब अमेरिका की छतछाया में रहने के आदी हैं। इनसे आशा करना कि आर्थिक हितों के संयोग के कारण ये भारत को चीन पर तरजीह देंगे, व्यर्थ है। आणविक ईंधन की आपूत्तर के मामले में स्पष्ट हो चुका है कि ये अमेरिका के दिशा-निर्देश पर ही काम करते हैं। चीन भी इनके लिए भारत जैसा ही आकर्षक बाजार है, और दक्षिणी गोलार्ध में इन्हें मलय देशों या हिंदचीन के राज्यों की तरह चीन का दबाव सीधा नहीं झेलना पड़ता। दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों की तरह भारत के साथ इनके सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध भी नहीं। ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड को शामिल कर जिस चतुर्भुज का निर्माण करने का प्रस्ताव अमेरिका ने पेश किया है, वह इन सहायकों-संधिमित्रों के माध्यम से बिना चीन को चौकन्ना किए इस भूभाग तथा जलराशि में अपनी मौजूदगी को ही पुख्ता करने की कोशिश है। विडंबना यह है कि अपनी हाल की चीन यात्रा के दौरान जैसे नरम तेवर ट्रंप ने दिखलाए उनके मद्देनजर नहीं जान पड़ता कि चीन के साथ परोक्ष मुठभेड़ के लिए भी अमेरिकी सदर ने कमर कसी है। भारत को पाकिस्तान द्वारा निर्यात किए जा रहे आतंकवाद पर अंकुश लगाने के भरोसे पर भी उनके प्रशासन ने अमल नहीं किया है। अत: यह आश्वासन विश्वसनीय नहीं लगता कि "एक मार्ग एक मेखला' वाली चीनी परियोजना का मुकाबला एशिया प्रशांत चतुर्भुज कर सकता है। जापान के साथ भारत की सामरिक साझेदारी शिंजो एबे तथा मोदी की व्यक्तिगत मैत्री से ही नहीं हम दो देशों के सामरिक हितों के सन्निपात से भी दृढ़ हुई है। जापान उत्तर कोरिया को चीन के समर्थन-संरक्षण के कारण ही संकटग्रस्त है। दक्षिण कोरिया भी निरापद नहीं। पर भूराजनैतिक कारणों से आशा करना निर्मूल है कि भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका सौंप कर अमेरिका या कोई दूसरा देश उसका कद बढ़ा सकता है। न भूलें कि आसियान कई दशक पुराना क्षेत्रीय संगठन है। इसमें भागीदारी की भारतीय कोशिशें "विशेष आमंत्रित सदस्यता-पर्यवेक्षक' की हैसियत तक ही सीमित रही है। इसका जन्म दक्षिण-पूर्व एशिया में साम्यवाद-चीन के प्रसार को रोकने के लिए ही अमेरिकी प्रेरणा से किया गया था। इसके सदस्यों में गंभीर मतभेद भी हैं। हिंदचीन के देश, म्यांमार, थाईलैंड मलय जगत का हिस्सा नहीं। मलयेशिया, ब्रूनेई तथा इंडोनेशिया अपने पड़ोसियों से सिर्फ जातीय या भाषायी आधार पर ही नहीं धार्मिक मान्यता एवं सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से भी भिन्न हैं। यह सुझाना तर्कसंगत है कि इन देशों के साथ भारत की चेष्टा उभयपक्षीय रिश्तों को ही घनिष्ठ बनाने की होनी चाहिए। पर बात समाप्त करने के पहले रेखांकित करना जरूरी है कि एशिया-प्रशांत वाली शब्दावली हमें फिजूलखर्च मरीचिका में फंसा सकती है। शंका जायज है कि जैसे अमेरिका अफगानिस्तान से जान छुड़ाने के लिए भारत को वहां पठाना चाहता है, वैसे ही द. एशिया में उसका प्रभुत्व या वर्चस्व धुंधलाने के लिए उसे और बड़े मंच पर खर्चीली भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारत भौगोलिक लिहाज से प्रशांत सागर तटवर्ती नहीं और न ही इस क्षेत्र के साथ उसके ऐतिहासिक-सांस्कृतिक नाते ऐसे रहे हैं, जिन्हें सामरिक नजर से संवेदनशील समझा जा सकता हो। इसकी तुलना में मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, ईरान तथा अरब जगत के साथ-साथ खाड़ी देश और पूरबी अफ्रीका हमारे लिए प्राथमिकता रखते हैं। विकल्प खुले रखना सराहनीय है, पर अपने राजनय की प्राथमिकता हमें स्वयं तय करनी होगी। दिलचस्प यह कि जो विश्लेषक अमेरिका के साथ हमारे विशेष संबंधों के पक्षधर रहे हैं, वे भी ट्रंप के आचरण को देख "नई गुटनिरपेक्षता' की बात करने लगे हैं! मोदी स्वयं इस दौरे के पहले पूरब की तरफ देखते रहने की जगह पूरब में कुछ करने का नारा दे चुके हैं। सोचने की बात यह है कि हम करना क्या चाहते हैं, कब और कहां? हिंद-प्रशांत क्षेत्र वाले चतुर्भुज का एक कोना चीन-जापान वाला भी है। क्या उसके रहते कल्पना की जा सकती है कि वह किसी दूसरे देश को मौका देगा कि उसके बढ़ते प्रभुत्व का प्रतिरोध करने का प्रयास करे? चीन को संतुलित करने के लिए जापान और दक्षिण कोरिया यथेष्ठ नहीं। इस दिशा में सार्थक प्रयास करना है, तो भारत-बांगलादेश-इंडोनेशिया-वियतनाम की धुरी का निर्माण जरूरी है। आबादी, प्राकृतिक संसाधनों व तकनीकी विकास के साथ-साथ अपने बाजार के आकार एवं सामरिक हितों के संयोग से ही चीन पर अंकुश लगाया जा सकता है। जाहिर है यह परियोजना अमेरिका को रास नहीं आ सकती। क्या हम सोच सकते हैं कि मनीला में मोदी भविष्य में किसी ऐसे सहकार की जमीन तैयार कर रहे थे?

चलते चलते

टूटी-फूटी

मध्य प्रदेश की सड़कें अमेरिका की सड़कों से लाख गुना अच्छी हैं। और यह बात खुद मुख्यमंत्री ने कही है तो सिर्फ बात कही नहीं है,कोरी गप्प नहीं है, एकदम आधिकारिक है। यह नहीं कि किसी ने मसखरी कर दी हो। हो सकता है जब लालू जी ने बिहार की सड़कों के बारे में कहा था कि वे उन्हें हेमामालिनी के गालों जैसी बना देंगे तो उन्होंने मजाक किया हो।

होगा साहब, अमेरिका दुनिया का स्वर्ग, होगा वह दुनिया का सबसे अमीर दो, पर मध्य प्रदेश जैसी सड़कें कहां से लाएगा। होंगे उसके पास डॉलर, पर मध्य प्रदेश जैसी सड़कें कहां से लाएगा। मध्य प्रदेश की सड़कें अमेरिका की सड़कों से लाख गुना अच्छी हैं। और यह बात खुद मुख्यमंत्री ने कही है तो सिर्फ बात कही नहीं है,कोरी गप्प नहीं है, एकदम आधिकारिक है। यह नहीं कि किसी ने मसखरी कर दी हो। हो सकता है जब लालू जी ने बिहार की सड़कों के बारे में कहा था कि वे उन्हें हेमामालिनी के गालों जैसी बना देंगे तो उन्होंने मजाक किया हो। लालू जी ऐसे मजाक कर लेते हैं। पर शिवराज जी ऐसे मजाक कहां करते हैं। उन्होंने पूरी गंभीरता से यह बात कही है कि मध्य प्रदेश की सड़कें अमेरिका की सड़कों से लाख गुना बेहतर हैं। अब लाख गुना न भी हों, दो-चार गुना ही ज्यादा बेहतर हों तो भी साहब अमेरिका को थोड़ी बहुत शर्म तो आनी ही चाहिए न !लोग कहते हैं कि अमेरिका सारी दुनिया को लूटता है, पर अच्छी सड़कें नहीं बनवा सकता। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा असला है, टैंक हैं, तोपें हैं, लड़ाकू विमान हैं, परमाणु बम हैं, जिन्हें दिखाकर सारी दुनिया को डराता रहता है। बना फिरता है दुनिया का दरोगा पर अच्छी सड़कें नहीं बनवा सकता। होंगी उसके यहां बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, होंगे बड़े-बड़े सेठ, होगा उसके पास डॉलर। यह जो नेता लोग अमेरिका के दौरे पर जाते हैं, क्या देखने जाते हैं। सड़कें तो हमारे मध्य प्रदेश की कहीं ज्यादा बेहतर हैं। ठीक है निवेश मांगने जाते होंगे। पर जिनकी सड़कें इतनी खराब हैं, वे दूसरों के यहां क्या निवेश करेंगे। पता नहीं हमारे वैज्ञानिक, शिक्षाविद, आइआइ टीवाले, छात्र क्यों अमेरिका की तरफ भागते हैं। अरे, भले लोगों, वे तो मध्य प्रदेश जैसी सड़कें भी नहीं बनवा सकते। हो सकता है यहां सड़कों में थोड़े गड्ढे हों, थोड़ी टूटी-फूटी हों, हो सकता हों ही न। पर अमेरिका से लाख गुना बेहतर हैं। इतनी कि खुद शिवराज जी उन पर पांव नहीं रखते, कई बार तो लोग उन्हें बाहों में, कंधों पर उठाकर चलते हैं। सड़कें इतनी अच्छी हैं कि हमेशा डर लगा रहता है कि पांव रखते ही कहीं मैली न हो जाएं।

मुद्दा

कृषि को बढ़ावा देने की जरूरत

बिहार में कृषि के लिए प्रथम खाका 2008 में घोषित किया गया था ताकि सामाजिक न्याय और उच्च आर्थिक वृद्धिके दो लक्ष्य हासिल किए जा सकें. परिणामस्वरूप राज्य को 2011-12 में अब तक के सर्वाधिक 81 लाख मीट्रिक टन चावल उत्पादन के लिए कृषि कर्मन पुरस्कार प्रदान किया गया। बिहार में अब दूसरा और तीसरा कृषि खाका (2012-22) क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके तहत उत्पादन संबंधी समस्याओं तथा जल संसाधनों, भू-सुधार, वानिकी, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता, ग्रामीण सड़क, बाढ़ और सूखा जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर तवज्जो दी जाएगी। बिहार का कृषि खाका व्यावहारिक तकनीकों के माध्यम से रेनबो क्रांति (यानी खाद्यान्न के लिए ग्रीन रेवोल्यूशन, दुग्ध उत्पादन के लिए व्हाइट रेवोल्यूशन, तिलहनों के लिए येलो रेवोल्यूशन, मत्स्य पालन के लिए ब्ल्यू रेवोल्यूशन, फलों के लिए गोल्डन रेवोल्यूशन, गैर-परंपरागत ऊर्जा के लिए ब्राउन रेवोल्यूशन, अंडों के लिए सिल्वर रेवोल्यूशन, टमाटर/मांस के लिए रेड रेवोल्यूशन तथा उर्वरकों के लिए ग्रे रेवोल्यूशन) को दर्शाता है। न केवल इतना बल्कि दो-चरणीय महत्त्वाकांक्षी पंचवर्षीय खाका भी तैयार किया गया है। वित्तीय वर्षो 2012-17 और 2017-22 के लिए तैयार खाके में कृषि के लिए 2,500 मेगावॉट का ऊर्जा संजाल स्थापित करने का लक्ष्य है। साथही, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाकर 25.2 लाख टन, सब्जी उत्पदान बढ़ाकर 18.6 लाखटन और मत्स्य उत्पादन बढ़ाकर 886.000 टन करने का मंसूबा बांधा गया है। खाद्यान्न की भंडारण क्षमता बढ़ाने की भी बात है। बिहार सरकार ने कृषि खाके के अच्छे से कार्यान्वयन के लिए आठ विभागों को समेकित कर दिया है। राष्ट्रीय किसान आयोग ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की गरज से पूर्वी भारत में कृषि को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया है। बीते पांच साल में बिहार के कृषि क्षेत्रका आकलन किया जाए तो हम पाते हैं कि यह क्षेत्र 0.1 की सालाना दर से सिकुड़ा है। 2011-12 और 2015-16 के बीच विनिर्माण क्षेत्र सालाना 8.4 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र सालाना 9.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा। कृषि क्षेत्रराज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और कृषि उत्पादन के कार्य में राज्य का 77 प्रतिशत श्रम बल नियोजित है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में यह राज्य सभी राज्यों में सबसे निचले दरजे पर है। बिहार सरकार द्वारा कृषि उत्पादकता पर बल दिए जाने के बावजूद इसमें तेजी से गिरावट दर्ज की गईहै। विभिन्न फसलों की उत्पादकता और लाभप्रदता में गिरावट के चलते छोटे और सीमांत किसानों की दिक्कतें बढ़ी हैं। वे हाशिये पर पहुंच गएहैं। राज्य में कृषि क्षेत्रके समक्ष गंभीर संकट हैं। इतना ही नहीं, बिहार के आर्थिक सव्रे 2016-17 की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पांच साल तक की आयु के 80 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। महिलाओं (15-49 वर्ष का आयु वर्ग) में करीब 70 प्रतिशत कुपोषण का सामना कर रही हैं। मानव विकास सूचकांक में बिहार सबसे निचले स्थान पर है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रका कायाकल्प नहीं हो पाने के चलते बिहार का संकट गहराया है। राज्य सरकार को तमाम चुनौतियां-पग्रालीगत भीतरी के साथही बाह्य भी-दरपेश हैं। बिहार को संकट से मुक्ति तीसरे कृषि खाके से समुचित कार्यान्वयन से मिल सकता है, जिसे 9 नवम्बर, 2017 को नये सिरे से आरंभ किया गया है। इससे राज्य की जनसंख्या के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। किसानों की आय बढ़ेगी। कृषि क्षेत्रमें जुटे लोगों को लाभदायक रोजगार मुहैया हो सकेगा। लैंगिक और मानवीय पहलुओं को तवज्जो देते हुए बढ़ने से कृषि क्षेत्रका वास्तविक विकास हो सकेगा। राज्य से पलायन भी थमेगा। बिहार सरकार को कृषि को उद्योग का दरजा देना चाहिए। सब्जियों और फलों की काश्त करने वाले किसानों को वित्तीय सहायता मुहैया करानी चाहिए। कहना न होगा कि बिहार में कृषि नीति की सफलता से राज्य के चहुंमुखी विकास की राहत खुलेगी।

देश निर्माण में भूमिका निभाने के लिए तैयार

आभा स्वामी

सत्रह साल पहले तीन स्वतंत्र राज्यों का निर्माण हुआ था। राज्यों के गठन के साथ ही इक्कसवीं सदी की पहली पीढ़ी ने भी जन्म लिया था। दोनों की सोच और आकार के विस्तार का समय आ गया है। ऊंची उड़ान का वक्त आ गया है। लेकिन उससे पहले रुककर यह देखने, समझने और आश्वस्त होने की जरूरत है कि नजरें लक्ष्य से न भटकें और सामने खुला आसमान मिले। जब हम तीन राज्यों की बात करते हैं तो उत्तराखंड और झारखंड के मुकाबले छत्तीसगढ़ मीलों आगे खड़ा दिखता है। कारण स्पष्ट है- लंबे अरसे तक प्रशासन की प्राथमिकता में पीछे रहे छत्तीसगढ़ को सही वक्त पर एक ऐसा राजनीतिक नेतृत्व मिला जो जनता की अपेक्षाओं को भी समझता हो और प्रदेश की क्षमताओं की भी सही मात्रा और दिशा में उपयोग की सोच रखता हो। दो अन्य प्रदेश जब अस्थिरता के भंवर में फंसे थे तो छत्तीसगढ़ की जनता ने यह तय किया कि वह सही नेतृत्व के हाथ में लगाम देगी। सोच को जमीन पर उतारने का पूरा वक्त देगी। असर साफ दिखा। छत्तीसगढ़ न सिर्फनए प्रदेशों की कतार में आगे है बल्कि कुछ मामलों में बड़े प्रदेशों से भी आगे जाकर देश निर्माण में भूमिका निभाने के लिए तैयार है। जैसे बिजली सेक्टर में छत्तीसगढ़ ने देश के सभी राज्यों को पछाड़ दिया है। जीरो पावर कट राज्य के रूप में चमक रहा है। सरकारी और निजी उपक्रमों से प्रदेश में 20 हजार मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादित हो रही है। 58 लाख परिवारों को सस्ता अनाज देकर मिसाल कायम किया है। राज्य के हर परिवार को मुफ्त इलाज की सुविधा मिली है, जिसकी सीमा 30 हजार से बढ़ा कर 50 हजार रुपए वार्षिक कर दी गई है। मोदी सरकार ने ओडीएफ(खुले में शौचमुक्त) घोषित करने के लिए सभी राज्यों को 2019 तक का लक्ष्य दिया है, इधर छत्तीसगढ़ 2018 तक ही ओडीएफघोषित होना चाहता है। नक्सलवाद जैसे कुछ मुद्दे हैं जो राज्य को बेरोकटोक आगे बढ़ने से रोकते हैं, लेकिन उसे भी परास्त करने की नीयत और ताकत मौजूद है। सुरक्षा बलों के पक्के इरादे और विकास की बदौलत नक्सली अब पूरे बस्तर से सिमट कर मुख्य रूप से केवल सुकमा और दंतेवाड़ा तक रह गए हैं। रमन सरकार ने 2020 तक नक्सलियों के सफाए का संकल्प लिया है। अब बात करते हैं उस नई पीढ़ी की जिसने राज्य निर्माण के साथ ही आंखें खोली थी। जिसे हम मिलेनियम वोटर यानी नई सदी का असली वोटर कह सकते हैं। उसकी आंखों में नया सपना है। अब उस सपने को भी शासन प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल करना होगा। हां, पर उन्हें यह एहसास भी करना होगा कि कश्ती मझधार से निकल कर आगे बढ़ी है। सपनों की मंजिल पानी है तो दिशा और सोच सपष्ट रखनी होगी। हर मोर्चे पर चुनौतियों की पहचान ही नहीं, उसे ध्वस्त करने की ताकत भी बनानी पड़ेगी। और यह सब तब होगा जब पैर विरासत और हकीकत की जमीन पर मजबूती से डटे हों। यह साबित करना होगा कि राज्य भले ही छोटा हो, जज्बा है नेतृत्व देने का। खुद सुप्रीम कोर्ट को इस पर विचार करना होगा कि 2010 के उसके ही एक निर्णय का आपराधिक न्यायिक प्रक्रिया पर कैसा असर पड़ रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने मई 2010 में यह कहा था कि अभियुक्त की सहमति के बिना उसका न तो नार्को एनालिसिस टेस्ट हो सकता है और न ही ब्रेन मैपिंग। उस पर झूठ पकड़ने वाली मशीन का भी इस्तेमाल नहीं हो सकता। याद रहे कि 2010 के बाद से जाने-माने कानून-उल्लंघनकर्ता अक्सर ऐसी जांच से साफ इनकार करते आ रहे हैं।

फिल्म पद्मावती को लेकर यूपी में प्रोटेस्ट शुरु, इलाहाबाद में रोकी गई सारनाथ एक्सप्रेस

लखनऊ. इलाहाबाद सिटी स्टेशन के पास सारनाथ- छपरा (दुर्ग एक्सप्रेस) को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकर्ताओं ने आधे घंटे के ज्यादा वक्त से ट्रेन को रोका गया है। ये सभी लोग पद्मावती फिल्म का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले राजधानी लखनऊ के एक होटल में राजपूताना शौर्य फाउंडेशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान लोकेंद्र सिंह ने 'पद्मावती' फिल्म के डॉयरेक्टर संजय लीला भंसाली पर आरोप लगते हुए कहा- ''90 फीसदी फिल्म नोटबंदी के दौरान बनी, तब फिल्म बनाने के लिए पैसा कहां से आया है? ये सारा पैसा दुबई से आया है।

रिलीज होने पर होगा बवाल

उन्होंने कहा- ''ये फिल्म अगर रिलीज होगी, तो बहुत बड़ा बवाल होगा। अगर इसे रोकना है, इसे रोक सको, तो रोक लो। हमने खून से इतिहास लिखा है इसलिए इस फ़िल्म को रिलीज नहीं होने देंगे। इस फिल्म का रिलीज होना राजपूतों के लिए अस्तित्व की बात है।'' 1 तारीख को भारत बंद करने का एलान करने के साथ और फिल्म रिलीज नहीं करने का दावा किया। उन्होंने कहा, ''भंसाली अपनी हर फिल्म में इतिहास के साथ छेड़छाड़ करते हैं।'' राजपूत करणी सेना प्रधान संरक्षक लोकेंद्र सिंह ने कहा- ''सनी देओल और अमिताभ बच्चन की राजपूतों ने बहुत मदद की थी।'' हम पीएम से गुजारिश करते हैं की फिल्म को रिलीज करने से रोका जाए।

''हमारी चुप्पी हमारी कमजोरी नहीं है। संजय लीला भंसाली की फितरत देश के इतिहास के साथ खिलवाड़ करना है। हम डीएम को खून भरा खत लिखकर फिल्म के रिलीज को रोकने का आग्रह करेंगे। अगर फिल्म रिलीज हुई तो जौहर की ज्वाला में बहुत कुछ जल जाएगा।''

दाऊद का पैसा लगा है

सिंह ने कहा- ''फिल्म के लिए सारा पैसा सऊदी से आ रहा है और फिल्म में दाऊद का पैसा लगा हुआ है क्योंकि फिल्म 90 फीसदी नोटबंदी के दौरान हुई है।''

फिल्म की अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की नाक काटे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा- ''वो हमारी बेटी जैसी हैं, हम फिल्म के विरोध में ऐसा नहीं कहेंगे।''

हिंसा की आशंका

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध और प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में आईबी ने फिल्म रिलीज होने के बाद हिंसा के बढ़ने की आशंका जताई हैं। वहीं, यूपी के गृह विभाग ने केंद्रीय सेंसर बोर्ड को लेटर लिखकर इसे रिलीज करने से पहले सभी तथ्यों की सच्चाई जांचने का आग्रह किया हैं। निकाय चुनाव- बराबफात भी चुनौती...

पीएस होम अरविंद कुमार ने बताया, ''यूपी में 1 दिसंबर को निकाय चुनाव के परिणाम आएंगे। इसी ही दिन बाराबफात का अंतिम जुलूस भी निकाला जाएगा।''

''अगर इस दौरान पद्मावती फिल्म रिलीज हुई तो सामाजिक संगठनों द्वारा विरोध किया गया जा सकता है। इससे हिंसा व्यापक रुप ले सकती है।'' ''इसलिए केंद्रीय सेंसर बोर्ड को लेटर लिखकर आग्रह किया गया हैं कि फिल्म के रिलीज का परमिशन सर्टिफिकेट जारी करने से पहले उठ रहे विवाद को हल कर लिया जाए।''यूपी में आईबी के अलर्ट के बाद पद्मावती फिल्म के रिलीज मामले पर 15 नवंबर को डीजीपी ने मुख्यालय में एक मीटिंग बुलाई गई थी। मीटिंग में एडीजी एलओ, आईजी एलओ एचआर शर्मा समेत सभी अधिकारी मौजूद रहे। डीजीपी ने यूपी के सभी एडीजी जोन-आईजी रेंज और जिले के एसपी-एसएसपी को सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने सभी जिले के पुलिस कप्तान को निर्देशित किया कि अगर कोई भी सामाजिक संगठन कानून हाथ में लेता है।

कैबिनेट मंत्री के कार्यालय के बाहर युवक ने खुद को लगा ली आग

कानपुर। पुलिस प्रताड़ना से तंग लालबंगला इलाके में एक युवक ने पत्नी और बच्ची के साथ रामगली स्थित कैबिनेट मंत्री के कार्यालय के बाहर आग लगा ली। आत्मदाह की चेतावनी के नाते पुलिस पहले से तैनात थी। कपड़ों में आग लगते ही पुलिस ने युवक दबोच लिया और आग बुझा दी। सनिगवां एमआईजी कॉलोनी निवासी राकेश सोनी का भाइयों से जमीन विवाद चल रहा है। आरोप है कि उसकी जमीन पर इलाके का एक दबंग भाइयों के साथ मिलकर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। 17 अक्तूबर को दबंग ने पूरे परिवार को मारा पीटा था। थाने शिकायत लेकर पहुंचे तो पुलिस ने उसी के खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई कर दी। यही नहीं आए दिन सिपाही घर पर पहुंचकर शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे हैं।

बदमाशों गी हावई फायररिंग में 10 साल के बच्चे की मौत

उन्नाव. जिले के इंडस्ट्रियल में बुधवार शाम को बाइक से पहुंचे 8 बदमाशों ने रौब जमाने के लिए यहां ताबड़तोड़ हवाई फायररिंग की। इसमें एक 10 साल के बच्चे की मौत हो गई और 18 साल का लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया। रौब जमाने के लिए बदमाशों ने चलाई गोली...

मामला, जिले के इंडारगों क्षेत्र का है, जहां चार बाइक पर सवार होकर करीब 8 बदमाश पहुंचे और यहां मौजूद फैक्ट्री वर्कर्स को गालियां देने लगे। रंगदारी ना मिलने से नाराज बदमाश मजदूरों को गोली मारने की धमकी दे रहे थे। इसके बाद उन्होंने रौब जमाने के लिए तमंचे निकाल लिए और हवाई फायरिंग करने लगे। वहीं, बदमाशों की फायरिंग में पास के होटल पर बैठे 10 साल के बच्चे को गोली लग गई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही होटल पर काम कर रहे एक 18 साल की लड़के के पैर में गोली लगी, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

'पास जाकर देखा तो मेरा बेटा पड़ा था'

वहीं, बच्चे के पिता ने बताया कि अपने होटल के पास वाले फैक्ट्री में मैं काम करता हूं। मेरा बेटा होटल पर आकर बैठा था। मैं जब फैक्ट्री से बाहर निकला तो देखा की भीड़ लगी हुई है। लोगों ने बताया कि किसी के बच्चे को बदमाशों ने गोली मार दी। पास जाकर देखा तो मेरा बेटा पड़ा था। पता नहीं उन लोगों ने क्यों मेरे बेटे को गोली मार दी। मेरी कभी किसी से कोई लड़ाई नहीं हुई।

घायल को अस्पताल भेजा गया- एएसपी

एएसपी अष्टभुज के मुताबिक, पुलिस को फायरिंग की सूचना मिली।

गोरखपुर जेल से पेशी पर निकले पूर्व मंत्री अमरमणि ?, पहुंच गए मेडिकल कॉलेज

गोरखपुर.यूपी की गोरखपुर जेल से कोर्ट में पेशी के लिए निकले पूर्व मंत्री अमरमणि बुधवार को मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। कुछ देर तक यहां रहने के बाद वो महराजगंज के लिए रवाना हुए। बिना अनुमति के पूर्व मंत्री के मेडिकल कॉलेज में पहुंचने की सूचना पर सरकारी महकमें में हड़कंप मच गया। एसएसपी ने मामले की जांच शुरू करा दी है। बता दें, उनकी बुधवार को महराजगंज सीजेएम कोर्ट में पेशी थी। पूर्व मंत्री अमरमणि सुबह 10:30 बजे जेल से पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट जाने के लिए निकले। दोपहर 11:15 बजे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के दंत विभाग के ओपीडी में पहुंचे। यहां से निकलने के बाद चर्म रोग विभाग में गए। इतना ही नहीं वो 20 मिनट रुकने के बाद महराजगंज के लिए रवाना हो गए। पूर्व मंत्री के मेडिकल कॉलेज जाने की जानकारी पुलिस-जेल प्रशासन को नहीं थी। जेलर राम कुबेर सिंह के मुताबिक, पूर्व मंत्री अमरमणि को महराजगंज सीजेएम कोर्ट में पेश होना था। बुधवार सुबह पुलिस अभिरक्षा में उन्हें जेल से भेजा गया था। मेडिकल कॉलेज जाने की जानकारी नहीं है। एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज के मुताबिक, पेशी पर जाने के लिए निकले पूर्व मंत्री मेडिकल कॉलेज कैसे पहुंच गए।

गायिका मैनावती देवी का निधन, सीएम ने जताया दु:ख

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के निजी अस्पताल में भर्ती लोक गायिका मैनावती देवी का गुरुवार की सुबह निधन हो गया। 24 अक्तूबर को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में दाखिल किया गया था। डाक्टरों की कड़ी निगरानी में वे आईसीयू में भर्ती थी।पिछले कुछ दिनों से उनकी हालत स्थिर बनी हुई थी लेकिन सुधार ज्यादा नहीं दिख रहा था। बुधवार की रात एक बार उनकी तबीयत बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उन्हें वेंटीलेटर पर रख दिया।

मजदूर की बेटी से कर रहे दुष्कर्म का प्रयास, बचाव में आए पड़ोसी को मारी गोली

लार (देवरिया)। एक ईंट भट्ठे पर मजदूर की झोपड़ी में बदमाशों ने बुधवार की रात धावा बोल दिया। लूटपाट की नियत से आए बदमाशों को कुछ नहीं मिला तो परिवार के सदस्यों को बंधक बना कर मजदूर की बेटी से दुष्कर्म का प्रयास करने लगे।

इस दौरान शोर सुनकर बगल के एक घर का रहने वाला व्यक्ति पहुंचा तो बदमाश उसके उपर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। इस घटना में पड़ोसी को पैर में गोली लग गई, उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया है।

दो बाइक से आए थे पांच बदमाश लार थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित ईट भट्ठा पर देर रात को दो बाइक से पांच बदमाश पहुंचे। भट्ठे के एक छोर पर बागिचा में झारखंड का रहना वाला एक मजदूर परिवार के साथ झोपड़ी में सो रहा था। झोपड़ी में घुसे बदमाशों ने मजदूर को बंधक बना लिया। सारा सामान खंगालने लगे। जब उन्हें कुछ नहीं मिला तो उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगे। किशोरी और उसकी मां इसका विरोध करते हुए शोर मचाने लगी। आवाज सुन कर पड़ोस में रहने वाले रविन्द्र प्रसाद वहां पहुंच गए। बदमाशों ने उन्हें लौट जाने की चेतावनी दी। जब वे नहीं माने तो एक बदमाश ने उनके उपर फायरिंग कर दी। गोली की आवाज सुन गांव के लोग भी बागीचे की तरफ दौड़ पड़े। यह देख बदमाश फरार हो गए।

पैर में लगी गोली

गोली रविंद्र के पैर में लगी है। ग्रामीण उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। गुरुवार की सुबह सीओ शितांसु यादव ने थानेदार के साथ ईंट भट्ठे पर पहुंच कर घटना का जायजा लिया।

बिहार

केबल बिजनेसमैन को दौड़ाकर मारी गोली, बदमाशों के अड्डेबाजी का किया था विरोध

भागलपुर.मुंदीचक के दीना साह लेन में बुधवार रात साढ़े नौ बजे अपराधियों ने केबल व्यवसायी अजय प्रकाश उर्फ मुन्ना साह को दौड़ाकर गोली मारी। एक गोली व्यवसायी के कान को छूते हुए निकली और वह जख्मी हो गए। नौ की संख्या में अपराधी तीन बाइक से आए थे। जिसमें एक बाइक पर पुलिस को लोगो लगा था।

गोली चलने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग जुट गए तो अपराधी बाइक छोड़कर भागने लगे। लोगों ने एक अपराधी रोहित को पकड़कर जमकर धुनाई की। तीनों बाइक को भी आक्रोशित लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार, केबल व्यवसायी मोहल्ले में खड़े थे। इसी बीच तीन बाइक पर सवार होकर नौ अपराधी पहुंचे और उन्हें निशाना बनाकर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। एक गोली व्यवसायी के कान को छूते हुए निकल गई जिससे वह जख्मी हो गए। मोहल्ले के लोगों ने व्यवसायी को मायागंज अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

सूचना पाकर सिटी डीएसपी शहरयार अख्तर, इशाकचक थानेदार राम एकबाल प्रसाद यादव, तिलकामांझी थाने के दारोगा पीएन राय, कोतवाली थाने के दारोगा मो. दिलशाद मौके पर पहुंचे और भीड़ से रोहित को छुड़ाकर उसे अस्पताल पहुंचाया। व्यवसायी मुन्ना साह के अनुसार, वह मोहल्ले में अपराधियों के अड्डेबाजी का विरोध करते हैं जिस वजह से उन्हें टारगेट कर गोली चलाई गई। मोहल्लेवासियों के मुताबिक, कुल आठ राउंड गोली अपराधियों ने चलाई, जिसमें पांच खोखा पुलिस ने मौके से बरामद किया है।

अपराधी पलटू का चचेरा भाई कर रहा था लीड उसके गुर्गे दनादन पिस्टल से चला रहे थे गोली

मुंदीचक के दीना साह लेन में अपराधियों की अड्डेबाजी का विरोध करना केबुल व्यवसायी अजय प्रकाश उर्फ मुन्ना साह को महंगा पड़ा। अपराधी अजय प्रकाश को खोज रहे थे और संयोग से वे परती जमीन पर ही मिल गया। कई लोगों के सामने ही अजय को गोली मारी गई। पलटू का चचेरा भाई गोलू अपराधियों को लीड कर रहा था और उसके गुर्गे दनादन गोली चला रहे थे। गोलू के साथ बाकी सभी अपराधी तीन अलग-अलग बाइक से मौके पर पहुंचे थे। सभी के हाथ में हथियार था। अचानक आठ राउंड गोली चलने से इलाके में दहशत फैल गई। लोगों ने बताया कि अपराधियों ने जब गोलीबारी की तो उस समय परती जमीन पर मोहल्ले के बच्चे बैडमिंटन खेल रहे थे। मामले में देर रात जख्मी केबुल व्यवसायी के बयान पर तिलकामांझी थाने में उक्त अपराधियों के खिलाफ केस कर लिया गया है।

फेसबुक के जरिए लड़कियों को फंसाता था लड़का, यौन शोषण कर मांगता था पैसे

कहलगांव (भागलपुर). वाट्सऐप और फेसबुक के पर एक शख्स ने लड़की और महिला को पहले प्यार में फंसाया और बाद में उन्हें शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया। इतना ही नहीं शख्स ने दोनों से पैसे भी लिए। इस बाबत कहलगांव की पीड़ित लड़की ने बोकारो के चास थाना के सुल्तानगर के रहने वाले गुफरान अहमद उर्फ गोल्डी के खिलाफ इशीपुर थाना में मामला दर्ज कराया था। मंगलवार को पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी को पटना स्टेशन से अरेस्ट कर लिया। बुधवार को कहलगांव डीएसपी रामानंद कौशल ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोल्डी फेसबुक और वॉटसऐप के जरिये लड़की और महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनसे ठगी करता था ।

हाई वोल्टेज ड्रामा: अवैध कब्जा मुक्त कराने पहुंची पुलिस, लोगों ने फोड़ा बम

बेगूसराय. यहां अतिक्रमण हटाने के दौरान एक महिला अपना घर टूटते देख जेसीबी के आगे कूद पड़ी। इसके बाद जेसीबी चालक के सूझबूझ के कारण महिला को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। महिला के जेसीबी के आगे गिरते ही वहां उपस्थित अन्य लोगों ने अफवाह फैला दी कि पुलिस ने एक महिला को मारा, जिसमें वह मर गई। लेकिन वहां उपस्थित महिला पुलिस ने जब उसे उठाया तो पता चला कि वह जानबूझकर मरने का नाटक कर रही थी, ताकि उसका घर न टूटे।

50 वर्ष से अवैध कब्जा जमाए लोगों को हटाने पहुंची टीम पर हुई रोड़ेबाजी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 50 वर्ष से अतिक्रमित सुन्नी वक्फ बोर्ड का 55.7 डिसमिल जमीन खाली कराने के दौरान जामा मस्जिद के आसपास का इलाका दिन भर रणक्षेत्र में तब्दील रहा। अवैध कब्जा हटाने के दौरान पुलिस और अतिक्रमणकारियों के बीच जमकर भिड़ंत हुई। लोगों को उग्र होते देख वहां खड़ी 150 पुरुष व महिला पुलिस बल ने भीड़ को खदेड़ दिया। इसके बाद इन लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने भी विरोध कर रहे लोगों पर लाठी चला कर घटनास्थल से दूर कर दिया। आरोप है कि पुलिस की लाठी से एक व्यक्ति का सिर फूट गया। अतिक्रमित घर और दुकान खाली कराने के दौरान कई लोगों ने खुद से अपने ही घर में आग लगा ली तो किसी ने अपने घर में पटाखे वाला बम फोड़ कर दहशत फैलाने का प्रयास किया।

पहले कोर्ट का आदेश सुनाया फिर खाली कराया

सुबह के दस बजे सीओ निरंजन कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी अरविंद कुमार, नगर थानाध्यक्ष सुनील कुमार 150 जवान और जेसीबी के साथ अतिक्रमण हटाने मस्जिद की अतिक्रमित जमीन के पास पहुंच गए। पुलिस और पदाधिकारियों ने पहले तो हाईकोर्ट का आदेश लोगों को सुनाया और घर खाली कराने को कहा।

सर मैं हार्ट पेशेंट हूं एक सप्ताह का समय दें

सबों का घर टूटते देख मो. कासिम ने सीओ से कहा- सर मैं हार्ट पेशेंट हूं, इसलिए हमें घर खाली कराने के लिए कुछ दिनों की मोहलत दी जाए। जब मैं स्वस्थ हो जाऊंगा तब मैं स्वत: ही उक्त जमीन को खाली कर दूंगा। इसके बाद सीओ ने मो. कासिम से लिखित में आवेदन लेकर एक सप्ताह का समय देते हुए उसके घर को छोड़ दिया। वहीं एक वकील विष्णुदेव प्रसाद सिंह के घर पर नहीं रहने के कारण उनके घर को भी छोड़ दिया गया।

पुलिस ने दोनों तरफ के रास्ते को बंद कर दिया

लोगों को आक्रोशित होते देख पुलिस ने मस्जिद के उतरी व दक्षणिी छोर को ब्लॉक कर दिया और लोगों को अपने घर से निकलने को कहा, नहीं निकलने पर लोगों को जबरन घर से निकाला जाने लगा और जेसीबी से घर और दुकानें तोड़नी शुरू कर दी गई।

मरीज की मौत के बाद पीएमसीएच में हंगामा, जूनियर डॉक्टरों ने बंद किया काम

पटना.पीएमसीएच में मरीज की मौत से नाराज परिजनों ने गुरुवार को जमकर हंगामा किया और जूनियर डॉक्टरों के साथ भी मारपीट की । मारपीट के बाद जूनियर डॉक्टरों ने इलाज बंद कर दिया। पीएमसीएच में भारी संख्या में सुरक्षा बलों का तैनात किया गया है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि सब्जीबाग के एक मरीज को परिजन तबीयत खराब होने के बाद पीएमसीएच लेकर पहुंचे। फिर उसकी मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर मारपीट करने लगे। वही, पीएमसीएच प्रशासन का कहना है कि यहां लाने से पहले ही मरीज की मौत हो चुकी थी। मारपीट के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर प्रदर्शन किया। डॉक्टरों ने सुरक्षा की मांग की है।

डॉक्टरों पर हमला गलत

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि डॉक्टर मरीजों की जान बचाते हैं। ऐसे में जूनियर डॉक्टरों पर हमला करना ठीक नहीं है। एक मरीज को परिजन तबीयत खराब होने के बाद पीएमसीएच लेकर पहुंचे। फिर उसकी मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर मारपीट करने लगे। वही, पीएमसीएच प्रशासन का कहना है कि यहां लाने से पहले ही मरीज की मौत हो चुकी थी। मरीज की हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी।

जहरीली शराब पीने से 4 की मौत, पुलिस पर लगा मामला दबाने का आरोप

पटना. बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद भी जहरीली शराब पीने से होने वाली मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा घटनाक्रम वैशाली जिले का है। यहां पिछले 72 घंटे में जहरीली शराब पीने से 4 लोगों की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार शराब बेचने वाला कोई और नहीं बल्कि गांव का चौकीदार है। पुलिस बता रही हार्ट अटैक से मौत...

घटना वैशाली जिले के बरंटी थाना क्षेत्र के बसोली गांव की है। यहां शराब पीने से अरुण पटेल, देवेंद्र पासवान, लालबाबू पासवान और राम प्रवेश पंडित की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस शराब पीने से मौत के मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जबरन उसने एक सादे कागज पर अंगूठे का निशान लिया है। उस पेपर पर लिखा था कि मौत हार्ट अटैक से हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसोली गांव का चौकीदार शराब बेचता है। मारे गए सभी लोगों ने उसी के पास से शराब खरीदा था। गौरतलब है कि शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगने के बाद जहरीली शराब पीने से मौत का यह तीसरा बड़ा मामला सामने आया है। यहां शराब पीने से अरुण पटेल, देवेंद्र पासवान, लालबाबू पासवान और राम प्रवेश पंडित की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस शराब पीने से मौत के मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। इससे पहले 27 अक्टूबर को रोहतास और भोजपुर जिले में पांच लोगों की मौत हो गई।

10 करोड़ बार देखा जा चुका भोजपुरी गाना, यू-ट्यूब पर मचा दिया हंगामा

पटना.भोजपुरी स्टार पवन सिंह और आम्रपाली दुबे के एक सॉन्ग ने यू-ट्यूब पर नया रिकॉर्ड बना दिया है। इन दोनों के डांस के एक वीडियो को यू-ट्यूब पर 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। ये गाना आठ महीने पहले रिलीज हुआ था। खास बात ये कि इससे पहले किसी भी भोजपुरी सॉन्ग को इतने व्यूज नहीं मिले हैं। प्रमोशनल सॉन्ग का है ये वीडियो पवन और आम्रपाली का ये वीडियो भोजपुरी फिल्म 'सत्या' का है। इस वीडियो को प्रमोशनल सॉन्ग के तौर पर यूज किया गया था।

वीडियो में जिस गाने पर पवन और आम्रपाली डांस कर रहे हैं, उसके बोल हैं 'राते दिया बुता के' ।

ये फिल्म 10 मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म में पवन सिंह के साथ अक्षरा सिंह थी।

फिल्म के डायरेक्टर सुजीत कुमार हैं, जिसे श्याम घनश्याम फिल्म इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनाया गया था।

इस फिल्म की शूटिंग बिहार और उत्तर प्रदेश के कई लोकेशन्स पर की गई थी।

कौन हैं पवन सिंह

6 मार्च, 1986 को जन्मे पवन सिंह बिहार के आरा जिला के रहने वाले हैं।

पवन सिंह भोजपुरी फिल्मों में आने से पहले भोजपुरी सिंगर थे। फेमस भोजपुरी सॉन्ग 'लालीपॉप लागेलू' से उन्हें जबर्दस्त ख्याति मिली थी।

साल 2007 में उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'रंग ली चुनरिया तोहरे नाम' ।

कौन हैं आम्रपाली

आम्रपाली दुबे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की रहने वाली हैं। इन्होंने काफी कम वक्त में भोजपुरी दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है। एक फिल्म के लिए वे 7-9 लाख रुपए चार्ज करती हैं।

2014 में इन्होंने भोजपुरी फिल्मों में डेब्यू किया था। फिल्म का नाम था 'निरहुआ हिंदुस्तानी' ।

इस फिल्म में उनके को-स्टार थे दिनेश लाल यादव। आम्रपाली ने दिनेश के साथ 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला-2' और 'राजा बाबू' जैसी फिल्मों में काम किया है।

सूरत। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिंहा ने गुरुवार को नानपुरा स्थित गांधी स्मृति भवन में सभाको संबोधित किया। लोक तंत्र बचाव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ीं संख्या में लोग सामिल हुए।

लिम्बायत में 96 हजार की चोरी

सूरत। लिम्बायत के महा प्रभुनगर के एक मकान को रात्रि दौरान अनजान चोर उचकको ने निशाना बनाकर धर में प्रवेश कर कबाट में रख्खे सोने चांदी के आभूषण सहित 96 हजार की चोरी कर फरार हो गए । पुलिस सूत्रों के अनुसार लिम्बायत के महा प्रभुनगर निवासी व्यंकेटेश्वर चन्द्रया पामु 42 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । रात्रि दौरान अनजान चोर उचकको ने व्यंकेटेश्वर भाई के मकान को निशाना बनाया था । तस्करो ने गलेरी के खुले दरवाजे के जरिये धर में प्रवेश कर कबाट में रखे सोने चांदी के आभूषण तथा नगद सहित 96 हजार की चोरी कर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़िता की शिकायत पर लिम्बायत पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

सूरत। सैनिको के परिवार के कल्याण के लिए आयोजित होने वाले मुरारी बापु की राम कथा की जानकारी देने के उद्देश्य से वराछा रोड़ स्थित मिनी हीरा बाजार में आम सभा की गई।

एम्ब्रोइडरी कारखाने दारोंने मार्जिग का प्लोट हड़प लिया

सूरत। पुनागाव के मगोब स्थित भाग्योदय इंडस्ट्रीज के एम्ब्रोइडरी फेक्ट्री के मालिकों ने मार्जिग का प्लोट हड़प कर दस्तावेज बना दिया होने का मामला सामने आया है । पुनागाव पुलिस के अनुसार भरूच जिले के तंवरा तहसील के शुक्लतीर्थ रोड स्थित रंगसृष्टि निवासी नरेशभाई बालुभाई गोठी 60 केमिकल के व्यापारी है । नरेश भाई की अंकलेश्वर में केमिकल की फैक्ट्री आई है । सूरत के पुनागाव के मंगोब स्थित भाग्योदय इंडस्ट्रीज में नरेश भाई का प्लोट आया है । इसी इंडस्ट्रीज में सोसायटी की मार्जिग की जगह आई है । उमरवाड़ा के सपना हेवन सोसायटी निवासी नरेश नाथाभाई विरोज़ा तथा सीमाड़ा गाव के शांति निकेतन सोसायटी निवासी परेश मेधजी भाई मोवलिया नामक दोनो मित्रों की पुनागाव के भाग्योदय इंडस्ट्रीज में एम्ब्रोइडरी फेक्ट्री आई है । इन दोनो ठगों ने सोसायटी की मार्जिग की जगद के फर्जी दस्तावेज बनाकर हजम कर लिया ।

सूरत। 300 सों से अधिक तपस्वियों की शोभा यात्रा गुरुवार को राम पावन भूमि पाल रोड से निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबियों ने भाग लिया।

सिटी बसों में 75 हजार यात्री हर दिन सफर कर रहे, पिछले साल से 70 हजार ज्यादा

सूरत। सिटी बसों की तरफ यात्रियों को आकर्षित करने के मामले में सूरत महानगर पालिका ने देश की अधिकांश मास ट्रांसपोर्ट सेवाओं को पीछे छोड़ दिया है। सिटी लिंक से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले साल के मुकाबले 70 हजार यात्री प्रतिदिन सिटी बसों में ज्यादा सफर कर रहे हैं। एक तरफ जहां अहमदाबाद जैसे शहर सिटी बसों को ठीक से लागू करने में मशक्कत कर रहे हैं, वहीं मनपा सिटी बस सेवाओं को तकनीकी रूप से और अचूक बनाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित कर रही है। मनपा से मिली जानकारी के मुताबिक नवंबर 2016 में शहर में कुल 12 रूटों पर 140 बसें दौड़ती थीं। जिसमें प्रतिदिन 3000 से 5000 लोग सफर करते थे। जबकि नवंबर 2017 में 29 रूटों पर 275 बसें दौड़ती हैं। जिसमें करीब 75 हजार यात्री प्रति दिन सफर कर रहे हैं। जिसके मुताबिक यात्रियों की संख्या करीब 15 गुना ज्यादा बढ़ गई है। आमदनी के मामले में भी मनपा को काफी फायदा हुआ है।

सूरत। शहर के कतारगाम क्षेत्र स्थित गजेरा सर्कल पर लगाए गए टैंक से खेलते स्कूली बच्चे।

अदाजन के व्यापारी के साथ 16 हजार की धोखाधड़ी

सूरत। अदाजन पाटिया के सबनम पार्क निवासी एक व्यापारी के साथ 16 हजार की धोखाधड़ी हुई होने का मामला सामने आया है । अनजान ठगों ने पीड़ित को इनस्युरन्स पोलिसी बंध होगई होने का जासा देकर पैसे एथ लिए । सलाबतपुरा पुलिस के अनुसार अदाजन के सबनम पार्क निवासी मोहम्मद बुरहानुद्दीन अब्दुल कादर सेलोद 48 व्यापारी है । रिंगरोड की ट्वेन्टी फस्ट सेन्चुरी बिल्डिंग में मोहम्मद भाई का कार्यालय आया है । 8 अगस्त की दोपहर व्यापारी मोहम्मद भाई अपने कार्यालय में उपस्थित थे इसी दोरान उनके मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से फोन आया था । फोन करने वाले ने अपनी पहचान इनस्युरन्स कंपनी के कर्मचारी के तोरपर दी थी उसके बाद कहा कि हमारी मैक्स लाइफ की इनस्युरन्स पोलिसी बंध होगई है वापस चालू करने के लिए 16 हजार रुपए कंपनी में जमा करवाने पड़ेंगे । ठग की बातों में आकर पीड़ित ने उनके एकाउन्ट में 16 हाजर रुपए जमा करवा दिए थे. बाद पताचला कि पैसे ऐंठने वाला कपनी का कर्मचारी नही ठग था ।

गोपीपुरा में 84 हजार की चोरी

सूरत। गोपीपुरा के बालाजी रोड स्थित कामधेनु रेशिडेंसी के मकान को तस्करो ने निशाना बनाकर सोने चांदी के आभूषण तथा नगद सहित 84 हजार की चोरी कर फरार हो गए । अथवालाइन्स पुलिस के अनुसार गोपीपुरा के अंबाजी रोड स्थित कामधेनु रेशिडेंसी निवासी हेमंत चन्द्रकान्त भाई राणा 28 जरी के व्यापारी है । 15 नवम्बर की दोपहर के वकत अनजान चोर उचकको ने बंध मकान को निशाना बनाया था । बदमाशोने फ्लैट में लगा ताला तोड़कर धर में प्रवेश कर कबाट में रख्खे सोने चांदी के आभूषण तथा नगद सहित 84 हजार की चोरी कर फरार हो गए हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर अथवालाइन्स पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है

अब हार्दिक पटेल को यौन शोषण का केस दर्ज होने की आशंका

अहमदाबाद (ईएमएस)। पास संयोजक हार्दिक पटेल ने कथित सेक्स सीडी सामने आने के बाद अब अपने खिलाफ यौन शोषण का केस दर्ज किए जाने की आशंका जताई है। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में भूचाल लानेवाले हार्दिक पटेल की कथित सेक्स सीडी को लेकर पाटीदारों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कई जगहों पर हार्दिक पटेल का विरोध किया जा रहा है तो कहीं लोग उनके समर्थन में नजर आ रहे हैं। पास की पूरी टीम के अलावा ओबीसी नेता अल्पेश ठाकोर और दलित नेता जिग्नेश मेवाणी के साथ कांग्रेस भी हार्दिक पटेल के बचाव में खुलकर आ गई है। दूसरी ओर कथित सीडी प्रकरण में फंसे हार्दिक पटेल अब आशंका जता रहे हैं कि उनके खिलाफ अब यौन शोषण का केस दर्ज किया जा सकता है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए हार्दिक भावुक हो गए और कहा कि यदि मैं गलत हूं तो मुझे मार डालो, यह लड़ाई मेरी नहीं बल्कि पाटीदार, महिला और किसानों के अधिकार की है। हार्दिक पटेल ने आरोप लगाया कि सेक्स सीडी और मेरी छवि खराब करने के लिए कई आईएएस और आईपीएस को लगाया गया है। कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने मुझे धमकी दी थी कि यदि आंदोलन खत्म नहीं करूंगा तो मेरी छवि खराब करने के लिए मेरी सेक्स सीडी सार्वजनिक कर दी जाएगी। दूसरी ओर कथित सीडी प्रकरण में फंसे हार्दिक पटेल अब आशंका जता रहे हैं कि उनके खिलाफ अब यौन शोषण का केस दर्ज किया जा सकता है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए हार्दिक भावुक हो गए और कहा कि यदि मैं गलत हूं तो मुझे मार डालो, यह लड़ाई मेरी नहीं बल्कि पाटीदार, महिला और किसानों के अधिकार की है। इसके बावजूद जब वह नहीं झूके तो भाजपा ने उनकी कथित सेक्स सीडी जारी कर दी। सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में हार्दिक पटेल ने कहा कि वे किसी साजिश, राष्ट्रद्रोह या नकली सीडी के आगे कभी नहीं झूकेंगे। हार्दिक ने कहा कि अब उनके खिलाफ एक महिला को खड़ा किया जाएगा, जो मेरे खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाएगी। इसके बावजूद मैं आत्मसमर्पण नहीं करूंगा क्योंकि सभी लोग मेरे साथ हैं। गौरतलब है कि हार्दिक पटेल ने कथित सीडी जारी होने से कुछ दिन पहले ही आशंका जाहिर की थी कि उनकी सेक्स सीडी जारी की जा सकती है। हार्दिक पटेल की आशंका सही साबित हुई और उनकी कथित सीडी जारी हो गई है।

पेरोल जम्प कर फरार आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस)। एसओजी पुलिस ने शहर के साबरमती जेल से पेरोल पर होने के बाद फरार हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वर्ष 2014 में यह शख्स चरस की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था। गुजरात विधानसभा के अगले महीने होनेवाले चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग ने साबरमती सेंट्रल जेल से पेरोल और अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद से फरार कैदियों का ब्यौरा मांगा है। इस बीच एसओजी पुलिस ने पेरोल पर मुक्त होने के बाद फरार एक कैदी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अहमदाबाद के दरियापुर क्षेत्र निवासी फारूक रसूलभाई कुरैशी नामक इस शख्स को वर्ष 2014 में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चरस तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर साबरमती जेल भेज दिया था।

शहर पर मंडराया प्रदूषित हवा का संकट, लोगों का मास्क पहनने की सलाह

अहमदाबाद (ईएमएस)। दिल्ली के बाद अहमदाबाद पर प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। अहमदाबाद महानगर पालिका के चेतावनी के मुताबिक शहर की हवा जहरीली हो चुकी है और सांस लेने योग्य नहीं है। शहर के पीराणा, रखियाल और वटवा जैसे औद्योगिक इलाकों में प्रदूषण का स्तर अधिक हो सकता है, लेकिन ऐसा क्या हो गया जिसकी वजह से बोपल, सेटेलाइट और नवरंगपुरा जैसे पोश इलाकों का प्रदूषण स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ गया। अहमदाबाद महानगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक पोश इलाकों में निर्माण कार्य और वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती संख्या प्रदूषण स्तर बढ़ाने के जिम्मेदार हैं। मनपा प्रशासन के मुताबिक शहर में आज प्रदूषण स्तर चिंताजनक रहा, जिसके लिए एक एडवाइजरी की। जिसमें प्रदूषण स्तर को देखते हुए बच्चे, वृद्ध समेत हृदय रोग के मरीजों को प्रदूषित क्षेत्रों नहीं जाने की हिदायत दी गई। ऐसे लोग संभव हो तब तक घर से बाहर नहीं निकले और खुले में काम करने से बचें। इसके बावजूद यदि किसी को खुले काम करना पड़ता है तो ऐसे लोग मास्क जरूर पहनें। इसी के साथ वाहन चालकों को भी ड्राइविंग के दौरान मास्क पहनने की हिदायत दी गई है। शहर के नवरंगपुरा, बोपल, पीराणा और रखियाल में सबसे ज्यादा प्रदूषण दर्ज हुआ है। जिसमें नवरंगपुरा में सबसे ज्यादा ट्राफिक और बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के कारण प्रदूषण की मात्रा अधिक है। जबकि तेजी से विकसित हो रहे शहर के बोपल क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन साइट ज्यादा है। सोला, घूमा और दक्षणि बोपल में कई जगह निर्माण कार्य चल रहा है, जिसकी वजह से यहां हवा प्रदूषित है। पीराणा डंपिग साइट पर पूरे शहर का कूड़ा उडेला जाता है। पीराणा में प्रति दिन करीब 700 जितने ट्रक कूड़ा उड़ेलते हैं। साथ ही हाईवे के कारण लोडिंग वाहनों की ज्यादा आवाजाही होती है। इसके अलावा रखियाल में बड़े पैमाने औद्योगिक इकाइयां हैं, जिससे निकलनेवाले धुएं के कारण प्रदूषण ज्यादा होता है।

बाटवा टोल बूथ अज्ञात बाइक सवारों को हमला, एक हमलावर झुलसा

अरवल्ली (ईएमएस)। अहमदाबाद-उदयपुर नेशनल हाईवे स्थित बाटवा गांव टोल बूथ पर बुधवार की देर रात अज्ञात बाइक सवारों ने पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। इस घटना में एक हमलावर भी आग में झुलस गया। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले के मोडासा तहसील के बाटवा गांव टोल बूथ पर बुधवार की देर रात बाइक सवार दो शख्सों ने हमला कर दिया। टोल बूथ पर पेट्रोल छिड़ने के बाद उसमें आग लगा दी। पेट्रोल की वजह से आग इतनी तेजी से फैली कि एक हमलावर इसकी चपेट में आ गया। आग की इस घटना में टोल बूथ की कैबिन जलकर राख हो गई। हमलावर के अलावा इस घटना में अन्य किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग लगते ही कैबिन में बैठे कर्मचारी बाहर निकल गए थे। हमलावरों ने अन्य कैबिन पर भी हमला किया था, लेकिन कर्मचारियों की सतर्कता के कारण इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। इस घटना में एक हमलावर भी आग में झुलस गया। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले के मोडासा तहसील के बाटवा गांव टोल बूथ पर बुधवार की देर रात बाइक सवार दो शख्सों ने हमला कर दिया। हमले की पूरी घटना टोल बूथ पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जिसके आधार पर पुलिस ने हमलावरों की तलाश तेज कर दी है।

40 लाख की टूथपेस्ट से लदी ट्रक लूटनेवाला यूपी का गिरोह गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस)। रूरल एलसीबी पुलिस ने साणंद-विरमगाम हाईवे पर रु. 40 लाख की टूथपेस्ट से लदे ट्रक लूट के मामले में उत्तर प्रदेश के गिरोह को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही ट्रक समेत लूट का माल भी बरामद कर लिया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद जिले के साणंद-विरमगाम हाईवे पर रु. 40 लाख के कोलगेट टूथपेस्ट से लदे की ट्रक की लूट चलाई गई थी। जिसकी साणंद जीआईडीसी पुलिस और रूरल एलसीबी पुलिस मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान लूट का ट्रक मालियामियाणां के निकट लावारीस हालत में बरामद हुआ। जिसके बाद एसओजी समेत एलसीबी जांच और तेज कर दी। इस बीच पूर्व सूचना के आधार पर रूरल एलसीबी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के महमद इमरान फयाजुद्दीन खान, ग्यासुद्दीन शेख, अब्दुल्लाखान, महमद अशरफ कुरैशी और जायेदखान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि मुंबई से ट्वेरा कार की चोरी करने के बाद साणंद-विरमगाम हाईवे पर कोलगेट से लदे ट्रक की लूट चलाई थी।

हार की जिम्मेदारी से बचने रूपाणी का बलि का बकरा बनाया : सचिन पायलट

अहमदाबाद (ईएमएस)। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में हार की जिम्मेदारी से बचने के लिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विजय रूपाणी को बलि का बकरा बनाया है। गुजरात में दो दिवसीय चुनाव प्रचार के लिए आए सचिन पायलट ने राजकोट में युवा संवाद कार्यक्रम के दौरान गुजरात के विकास को खोखला बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में अन्य राज्यों के मुकाबले गुजरात के विकास के ग्राफ में गिरावट आई है। रोजगार, विदेशी पूंजी निवेश और निर्यात समेत कई मामलों में गुजरात पिछड़ता जा रहा है। सचिन ने कहा कि मैं आंकड़ों के साथ इन बातों को साबित कर सकता हूं। भाजपा पर प्रहार करते हुए सचिन ने कहा कि गुजरात की प्रवर्तमान परिस्थिति को देख किसी भी दृष्टिकोण से गुजरात को विकास मोडल माना नहीं जा सकता। पिछले तीन साल में कथित विकास का ग्राफ ऊंधे मुंह गिर गया है और अन्य राज्यों के मुकाबले उसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात में आनंदीबेन पटेल को हटाकर विजय रूपाणी को इसलिए मुख्यमंत्री बनाया गया ताकि गुजरात विधानसभा चुनाव में हार के बाद हार का ठीकरा उनके सिर फोड़ा जा सके। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार की जिम्मेदारी से बचने के लिए विजय रूपाणी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com